



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 231] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 13, 1976/अग्रहायण 22, 1898

No. 231] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 13, 1976/AGRAHAYANA 22, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th December 1976

No. 3/6/76-Public.—The President has learnt with deep sorrow of the death at 20.45 hours on 11-12-1976 of a distinguished educationist, diplomat and statesman Shri Ali Yavar Jung Bahadur, Governor of Maharashtra.

2. Born on 16-2-1905 Shri Ali Yavar Jung Bahadur got his education at Osmania and Oxford Universities. Beginning his career in 1927 as Reader in Modern History and Political Science in Osmania University, he soon became a Professor. His expertise in Political Science was soon noticed and he became Secretary, Constitutional Affairs, Home and Judicial to the Government of Hyderabad State in 1937. Academic world again attracted his attention. While holding the office of the Constitutional adviser to the Hyderabad Government, he became the Vice-Chancellor of Osmania University. Soon he was appointed Minister for Constitutional Affairs, Local Self Government and Public Health and later Education and Home in that State.

3. In 1948 he again became Vice-Chancellor of Osmania University and continued to adorn this office till 1952.

(1787)

4. International Affairs and diplomacy soon claimed his attention. He attended the UN General Assembly as a Member of Indian Delegation in 1946, 1950, 1953, 1955 and as Deputy leader of the Indian Delegation in 1956, 1957 and 1960. The fifties and sixties kept him busy in the field of diplomacy. He served with credit as Ambassador to Argentina and Minister to Chile, Ambassador to Egypt, Libya, Yugoslavia, Greece, Bulgaria, France and USA. In between during 1965—1968 he served as Vice-Chancellor of Aligarh Muslim University with great distinction. On his return from his diplomatic assignments to USA in 1970, he was appointed the Governor of Maharashtra in which capacity he served till the end.

5. For his distinguished services in the academic world he was conferred the Degree of J.L.D. (Honoris causa) by Osmania University in 1956 and Padma Bhushan Award in 1959 by the President for his Public Services.

6. Shri Ali Yavar Jung Bahadur has been a public figure of outstanding eminence who made a significant contribution in the field of Education, International Affairs and diplomacy, and carried out his responsibilities with distinction. He was a man of great learning, rare social gifts and charm which won him the esteem and affection of one and all. In Shri Ali Yavar Jung Bahadur's death, the country has suffered an irreparable loss.

S. L. KHURANA, Secy.

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1976

सं० 3/8/76-वर्षिक.—राष्ट्रपति को यह समाचार पाकर गहरा दुख हुआ है कि प्रसिद्ध शिक्षाविद्, राजनय और राजनेता तथा महाराष्ट्र के राज्यपाल, श्री अली यावर जंग बहादुर का 11 दिसम्बर, 1976 को 20.45 बजे देहावसान हो गया।

2. श्री अली यावर जंग बहादुर का जन्म 16 फरवरी, 1905 को हुआ और उन्होंने अपनी शिक्षा उस्मानिया और आक्सफोर्ड विश्वविद्यालयों में प्राप्त की। 1927 में उस्मानिया विश्वविद्यालय में आधुनिक इतिहास और राजनीति विज्ञान के रीडर के रूप में कार्य शुरू करते हुए वे जल्दी ही प्रोफेसर बन गए। राजनीति विज्ञान में उनकी विशेषज्ञता जल्दी ही प्रकाश में आ गई और 1937 में वे हैदराबाद राज्य सरकार के सांविधानिक कार्य, गृह तथा न्यायिक सचिव बन गए। उनका ध्यान शैक्षिक क्षेत्र की ओर फिर से आकर्षित हुआ। हैदराबाद सरकार के सांविधानिक सलाहकार के रूप में कार्य करते हुए बाद में वे उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति बन गए। जल्दी ही वे उस राज्य में सांविधानिक कार्यों, स्थानीय स्वायत्त शासन और लोक स्वास्थ्य के मंत्री और बाद में शिक्षा और गृह मंत्री नियुक्त किए गए।

3. 1948 में वे फिर से उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति बन गए और वे इस पर 1952 तक बने रहे।

4. अन्तर्राष्ट्रीय कार्यों और राजनयिक क्षेत्र की ओर जल्दी ही उनका ध्यान आकर्षित हुआ। उन्होंने 1946, 1950, 1953, 1955 में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में और 1956, 1957 और 1960 में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के उप-नेता के रूप में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लिया। 1950 और 1960 के बाद के दशकों

में वे राजनयिक क्षेत्र में व्यस्त रहे। उन्होंने अर्जेंटीना में राजदूत, चिली में मिनिस्टर, मिश्र, लीबिया, यूगोस्लाविया, यूनान, बल्गेरिया, फ्रांस और यू०एस्०ए० में राजदूत के रूप में गौरवपूर्ण ढंग से कार्य किया। 1965-68 के बीच उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्व-विद्यालय के कुलपति के रूप में विशिष्ट रूप से कार्य किया। 1970 में यू०एस्०ए० में राजनयिक पद से वापिस आने पर वे महाराष्ट्र के राज्यपाल नियुक्त किए गए जिस पर वे अन्त तक बने रहे।

5. शैक्षिक क्षेत्र में उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए उन्हें उस्मानिया विश्व-विद्यालय ने 1956 में एल एल डी की उपाधि (सम्मानार्थ) और लोक सेवाओं के लिए राष्ट्रपति ने 1959 में पद्मभूषण की उपाधि प्रदान की।

6. श्री अली यावर जंग बहादुर अत्यन्त प्रतिष्ठित तथा लोकप्रिय व्यक्ति रहे हैं उन्होंने देश में शिक्षा, अन्तर्राष्ट्रीय कार्यकलापों और राजनयिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान किया और अपनी जिम्मेदारियों को विशिष्टता से निभाया। वे बड़े विद्वान, सामाजिक प्रतिभा वाले तथा अत्यन्त सौम्य स्वभाव के व्यक्ति थे जिसके कारण वे सभी के आवर व स्नेह के पात्र बन गए। श्री अली यावर जंग बहादुर की मृत्यु से देश की ऐसी क्षति हुई है जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती है।

सुन्दरलाल खुराना, सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा
नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS. DELHI, 1976

